मध्यप्रदेश वॉलीबॉल संघ के चुनाव सम्पन्न, कार्तिकेय निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

देवास,पवनयादव । मध्यप्रदेश वॉलीबॉल संघ की साधारण एवं चुनावी सभा 11 अक्टूबर को भोपाल में आयोजित की गई। चुनाव अधिकारी एडवोकेट दिलीप मालवीय द्वारा नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट के अंतर्गत चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न कराई गई, जिसमें 2026-2030 सत्र के लिए प्रबंध कार्यकारिणी का निर्विरोध निर्वाचन किया गया। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में अध्यक्ष कार्तिकेय चौहान, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनवर खान, उपाध्यक्ष विधायक आशीष शर्मा एवं राम पांडे, महासचिव सतीश जोशी, कोषाध्यक्ष विशाल शर्मा, संयुक्त सचिव डी.आर. सिंह, राजेश शुक्ला, कार्यकारिणी सदस्य आशीष सिंह, भूपेन्द्र कांत, वीरेंद्र कुमार चतुर्वेदी, मेरिट खिलाड़ी श्वेता शर्मा, कृष्णानंद (रीवा)। बैठक में विभिन्न आयु वर्गों की राज्य स्तरीय चैंपियनशिप आयोजित कराने की स्वीकृति प्रदान की गई तथा संघ की वैधानिक स्थिति के संबंध में सदन को विस्तृत जानकारी दी गई। अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने के उपरांत अपने प्रथम उद्बोधन में कार्तिकेय ने कहा कि मध्यप्रदेश में वॉलीबॉल के समग्र विकास, खिलाड़ियों को प्रोत्साहन तथा जिला एसोसिएशनों को आर्थिक सहायता प्रदान करने हेतु मध्यप्रदेश वॉलीबॉल खेल नीति 2026 का ड्राफ्ट शीघ्र जारी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जल्द ही मध्यप्रदेश वॉलीबॉल का रोडमैप तैयार कर प्रदेश के हर जिले में इस खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जाएगा। इस अवसर पर 33 जिला संघों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इंदौर की सविता भारती जूनियर गर्ल्स टीम की कोच नियुक्त

इंदौर। इंदौर की अंतराष्ट्रीय विक्रम अवार्डी खिलाड़ी व कोच सविता पारखे को भारतीय साफ्टबॉल संघ ने चाइना के वैहई में 12 से 17 अक्टूबर तक होने जा रही तीसरी अंडर-15 एशियन कप स्पर्धा के लिए भारतीय जूनियर गर्ल्स टीम का कोच नियुक्त किया है। भारतीय साफ्टबॉल संघ के अध्यक्ष श्री रमेश मेंदोला ने टीम की घोषणा की जिसमें कोच की भूमिका के लिए इंदौर की सविता पारखे को जिम्मेदारी दी है। सविता इसके पहले भी अमेरिका में जूनियर वर्ल्ड कप, थाईलैंड में एशियन सीनियर, चाइना में ही अंडर-15 स्पर्धा में वे टीम को लेकर जा चुकी है, जहां सफलताएं भी मिली है। इस टीम के तीन कैंप भी लगाए गए थे। पहला कैंप शिर्डी, दूसरा इंदौर और तीसरा कोलकाता में लगाया गया था, जिसके बाद टीम चाइना के लिए रवाना हुई। इस स्पर्धा में कुल 8 देश भाग ले रहे है। सविता पारखे के कोच नियुक्त होने पर प्रवीण अनावकर, राकेश मिश्रा, राजकुमार सहगल, चंद्रकांत सांगोले, समीर गुप्ते, प्रदीप नारूलकर, विक्रांत आखरे, प्रवीण दवे, सुबोध चौरसिया, राहुल ठाकुर ने शुभकामनाएं दी।

जयेश आचार्य भारतीय पेरा दल के मुख्य प्रशिक्षक नियुक्त

इंदौर। जापान के आयाची नगोया में होने वाले एशियन पेरा गेम्स में भारतीय पेरा टेबल टेनिस टीमों के मुख्य प्रशिक्षक के रूप में मध्य प्रदेश के जयेश आचार्य की नियुक्ति हुई है। पेरा टेबल टेनिस प्रमोशन एसोसिएशन के अध्यक्ष ओम सोनी और महासचिव प्रमोद गंगराड़े ने बताया भारतीय पेरा दल 14 अक्टूबर को जापान पहुंचेगी। 19 सदस्य दल में भारत की ओलंपिक पदक विजेता भाविनाबेन पटेल, सोनल पटेल, रवि बेबी सहाना, एकता भयान, सविता अजनकट्ठी, प्राची पांडे, पुरुषों में संदीप डांगी, जे डी मदान, शुभम वाधवा और दत्ता प्रसाद चौगुले भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। जयेश आचार्य पूर्व में भी कई अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में अपनी सेवाएं प्रदान कर चुके हैं। प्रशिक्षक दल में गुजरात के लालन दोशी एवं कल्पेश ठक्कर भी अपनी सेवाएं देंगे। जयेश आचार्य के मनोनयन पर ओम सोनी, नरेंद्र कौशिक, प्रमोद सोनी रिंकू आचार्य, प्रमोद गंगराड़े, अमित कोटिया, नीलेश वेद तथा गौरव पटेल ने हर्ष व्यक्त कर भारतीय दल को शुभकामनाएं प्रेषित की है।

झेंग ने आंद्रीवा को हराकर चाइना ओपन जीता

बीजिंग (ईं)। चीन की महिला टेनिस स्टार टेनिस खिलाड़ी झेंग किनवेन ने पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीत लिया है। किनवेन ने यहां खेले गये महिला एकल फाइनल में रूस की मिर्रा आंद्रीवा को सीधे सेटों में 7-5, 6-4 से हराया। झेंग ने यह मुकाबला 7-5, 6-4 से जीतकर करियर का पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीता है। झेंग ने फाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त आंद्रीवा को हराकर पहली बार डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट का खिताब जीता है। इस जीत के साथ ही झेंग चाइना ओपन के महिला एकल वर्ग का खिताब जीतने वाली पहली चीनी खिलाड़ी बन गई है।

जी.एच. रायसोनी मेमोरियल 59वीं मध्यप्रदेश स्टेट जूनियर (अंडर-17 एवं 19) बैडमिंटन चैंपियनशिप 2026

नित्या को डबल क्राउन, मेधांश-प्रणीत भी विनर

इंदौर। इंदौर में आयोजित प्रतिष्ठित जी.एच. रायसोनी मेमोरियल 59वीं मध्यप्रदेश स्टेट जूनियर (अंडर-17 एवं 19) बैडमिंटन चैंपियनशिप 2026 का सोमवार को रोमांचक समापन हो गया। प्रतियोगिता के अंतिम दिन कोर्ट पर युवा खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल, गति और अनुशासन का प्रदर्शन कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

टूर्नामेंट के समापन समारोह और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व ओएसडी (मुख्यमंत्री) प्रवीण कक्कर ने विशेष रूप से शिरकत की। इस अवसर पर चोइथराम फाउंडेशन के सीईओ श्री सुमित नादेड़कर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही, चोइथराम फाउंडेशन के खेल अधिकारी श्री प्रवीण सिंगला (विशेष अतिथि), प्रदीप शर्मा, MPBA के मुख्य चयनकर्ता अमित कुलकर्णी, चयनकर्ता श्री अंबरीश नाडकर, कोषाध्यक्ष श्री दीपक श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव जावेद खान सहित अन्य सभी विशेष अतिथि गरिमामयी रूप से मंच पर मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को चमचमाती ट्रॉफी एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबलों में नित्या जादौन (MPBA) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दोहरा खिताब (डबल क्राउन) अपने नाम किया। नित्या ने अंडर-17 और अंडर-19 दोनों ही वर्गों के गर्ल्स सिंगल्स में जीत दर्ज कर अपना दबदबा कायम किया। वहीं अंडर-19 बॉयज सिंगल्स में प्रणीत सोमानी (MPBA), अंडर-17 ब्वॉयज सिंगल्स में मेधांश शर्मा (MPBA) और अंडर-19 मिक्स्ड डबल्स में रुद्र प्रताप ठाकुर व कृति तिवारी की जोड़ी ने खिताबी जीत हासिल की। फाइनल मुकाबलों के अंडर-17 गर्ल्स सिंगल्स नित्या जादौन (MPBA) ने उत्कृष्ट खेल दिखाते हुए मुस्कान जाट (धार) को 15-12, 15-7 से सीधे सेटों में पराजित कर पहला खिताब जीता। अंडर-19 गर्ल्स सिंगल्स एक बेहद संघर्षपूर्ण और रोमांचक मुकाबले में नित्या जादौन (MPBA) ने माही पवार (धार) को 16-18, 15-7, 15-12 से हराकर प्रतियोगिता में अपना दूसरा खिताब हासिल किया। अंडर-19 ब्वॉयज सिंगल्स में प्रणीत सोमानी (MPBA) ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए शौर्य मिश्रा (इंदौर) को 15-8, 15-17, 15-5 से हराकर चैंपियनशिप ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। अंडर-17 ब्वॉयज सिंगल्स में मेधांश शर्मा (MPBA) ने फाइनल में काव्य शर्मा (इंदौर) के खिलाफ 15-6, 16-14 से जीत दर्ज कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। अंडर-17 मिक्स्ड डबल्स काव्य शर्मा (इंदौर) और अवनी यादव (इंदौर) की जोड़ी ने अनिरुद्ध सिंह चौहान (ग्वालियर) व संस्कृति अग्रवाल (ग्वालियर) को 15-3, 15-11 से हराकर खिताब जीता। अंडर-19 मिक्स्ड डबल्स रुद्र प्रताप ठाकुर (ग्वालियर) और कृति तिवारी (इंदौर) की जोड़ी ने अथर्व सक्सेना (MPBA) व इश्वी नायडू (जबलपुर) को 15-11, 15-10 से शिकस्त देकर खिताब हासिल किया। समारोह के अंत में अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में बैडमिंटन की अपार प्रतिभाएं हैं और ऐसे आयोजनों से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करने में मदद मिलती है।

तिलक टी20 में पचास कैच पकड़ने वाले विशिष्ट क्लब में शामिल हुए

इंदौर (ईं)। वेस्टइंडीज यहां खेल गए तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबले में भारतीय टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने 50 वां कैच पकड़ा। जिसके साथ ही वह भारतीय रोहित शर्मा और विराट कोहली के एक एक विशिष्ट क्लब में शामिल हो गए हैं। तिलक ने इस मैच में बतौर फील्डर अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर के 50 कैच पूरे किए। इस प्रकार वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले भारत के पांचवें खिलाड़ी बने हैं। इस विशिष्ट सूची में पहले नंबर पर कप्तान रोहित शर्मा हैं। रोहित के नाम 65 कैच है। वहीं अलावा, ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के नाम 64 कैच जबकि आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के नाम 58 कैच और पूर्व कप्तान विराट कोहली के नाम 54 कैच हैं। तिलक का यह प्रदर्शन उनके ऑल-राउंड खेल और मैदान पर उनकी तत्परता को दिखाता है। बल्लेबाजी में भी तिलक वर्मा ने अपना जलवा बिखेरा। तीसरे टी20 में उन्होंने केवल 16 गेंदों पर 28 रनों की तेज पारी खेली, जिसमें 4 चौके शामिल थे और उनका स्ट्राइक रेट 175 का रहा। इससे पहले, दूसरे टी20 में भी उन्होंने 18 गेंदों में नाबाद 44 रनों की शानदार पारी खेली थी।

डेली कॉलेज की एथलेटिक मीट 2026 का उत्साह, जोश और साहस के साथ शुभारंभ

इंदौर। डेली कॉलेज के खेल मैदान में डेली कॉलेज के उप-प्राचार्य एवं मुख्य अतिथि श्री सोमेन सिन्हाबाबू ने अंतर-सदनीय वार्षिक एथलेटिक मीट 2026 का औपचारिक उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में परंपरा, अनुशासन और खेल भावना का शानदार समन्वय देखने को मिला, जिसने आगामी दिनों में होने वाली रोमांचक खेल प्रतिस्पर्धाओं के लिए भव्य मंच तैयार किया। समारोह का आरंभ गरिमामय ढंग से हुआ, जब हेड गर्ल देवेश्री सिंह ने मुख्य अतिथि श्री सिन्हाबाबू को पौधा भेंट किया। यह पौधा विकास, जीवनशक्ति और संस्था की संवर्धनशील परंपरा का प्रतीक था।

उद्घाटन समारोह का मुख्य आकर्षण रोमांचक मार्च पास्ट रहा, जिसमें कदमों की एकरूपता ने विद्यालय के सामूहिक गौरव और एकता को साकार किया। इस मार्च पास्ट का नेतृत्व कॉलेज ध्वज दल ने किया, जिसकी कमान एथलेटिक्स

कैप्टन अंगद सिंह डबेजा के हाथों में थी। उनके साथ हेड गर्ल देवेश्री सिंह, डिप्टी हेड गर्ल श्रेया डाफरिया, डिप्टी हेड बॉय निर्वाण लुल्ला, स्पोर्ट्स प्रीफेक्ट्स प्रियम्वदा बघेल और सिया अग्रवाल तथा वाइस-कैप्टन मोहम्मद प्रेसवाला शामिल थे।

इसके बाद आठों सदनों के दलों ने अनुशासित और लयबद्ध ढंग से मार्च पास्ट किया। प्रत्येक सदन ने अपनी विशिष्ट पहचान और सदनीय भावना का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। भारती हाउस ने कैप्टन स्वस्ति तिवारी के नेतृत्व में आकर्षक पीच रंग की पोशाक में मार्च किया। अहिल्या हाउस ने कैप्टन आराध्या अग्रवाल के नेतृत्व में अपनी गति और चपलता का प्रदर्शन किया। इंदिरा हाउस ने प्रीफेक्ट हेमाली खंडेलवाल के नेतृत्व में नेवी ब्लू रंग की पोशाक में गरिमापूर्ण मार्च किया। विक्रम हाउस ने स्पोर्ट्स प्रीफेक्ट करण बचकानीवाला के नेतृत्व में अपनी शक्ति और दृढ़ता का परिचय दिया। अशोक हाउस ने कल्पनल प्रीफेक्ट अरुष राठौर के नेतृत्व में अपनी दूरदृष्टि और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। टैगोर हाउस ने प्रीफेक्ट सोहम कस्तूरी के नेतृत्व में अपनी सहनशक्ति और दृढ़ता प्रदर्शित की। जवाहर हाउस ने प्रीफेक्ट आयुष्मान गर्ग के नेतृत्व में आत्मविश्वास के साथ मार्च किया। अंत में, राजेंद्र हाउस ने कैप्टन प्रियदर्शन सिंह राठौर के नेतृत्व में आकर्षक नेवी ब्लू रंग की पोशाक में मार्च पास्ट किया।

आरपीएल माहेश्वरी कॉलेज में संभाग स्तरीय अंतरमहाविद्यालयीन बॉक्सिंग पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता का शुभारंभ

इंदौर। आरपीएल माहेश्वरी कॉलेज में संभाग स्तरीय अंतरमहाविद्यालयीन बॉक्सिंग पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता सत्र 2026-27 का शुभारंभ उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री नरेश वर्मा जी, संचालक, बालिका रेस्टिंग सेंटर, एवं देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की निदेशक डॉ. सुधा चेटल द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जयकिशन साहू एवं स्पोर्ट्स ऑफिसर डॉ. धर्मेंद्र ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही विकास जोशी, चेतन जोशी, हेमराज कर, देवेंद्र नागवंशी सहित अन्य गणमान्यजन एवं खेलप्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं संघर्षशीलता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए बेहतर मंच प्रदान करती हैं।

अर्शदीप सिंह को मिला मुथूट फिनकॉर्प गोल्डन प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड

इंदौर, : भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को इंदौर के होलकर क्रिकेट स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए मुथूट फिनकॉर्प गोल्डन प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड से सम्मानित किया गया। अर्शदीप ने चार ओवर में 44 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। उन्होंने वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप का अहम विकेट भी लिया। उनके इस प्रदर्शन की बदौलत भारत ने 223 रन के लक्ष्य का बचाव करते हुए वेस्टइंडीज को 14 रन से हराया। इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। अर्शदीप को मैच में निर्णायक योगदान के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मध्य प्रदेश शतरंज संघ की मान्यता बहाल, हाई कोर्ट से भी बड़ी राहत

इंदौर। मध्य प्रदेश के शतरंज जगत के लिए बड़ी राहत की खबर है। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा 5 अक्टूबर 2026 को मध्य प्रदेश शतरंज संघ के पक्ष में महत्वपूर्ण आदेश पारित किए जाने के बाद, आज शाम अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (AICF) द्वारा मध्य प्रदेश शतरंज संघ की मान्यता बहाल कर दी गई है। इस घटनाक्रम को प्रदेश में शतरंज प्रशासन की बहाली की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

माननीय न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की एकल पीठ ने संघ की याचिका स्वीकार करते हुए, दूसरा के 29 एवं 30 सितंबर 2021 के आदेश निरस्त कर दिए तथा संबद्धता के मामले पर पुनर्विचार करने का निर्देश दिया था जिसके फलस्वरूप आज मान्यता प्रदान कर दी गई।

पांच वर्षों की अनिश्चितता के बाद खिलाड़ियों को राहत की उम्मीद–पिछले लगभग पांच वर्षों से राज्य शतरंज संघ की संबद्धता एवं प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण प्रदेश के शतरंज खिलाड़ियों को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। अब AICF की वेबसाइट पर मान्यता बहाल होने से जिला एवं राज्य स्तर पर शतरंज गतिविधियों के सुचारू संचालन, खिलाड़ियों को बेहतर अवसर मिलने और प्रदेश में शतरंज के विकास को नई गति मिलने की उम्मीद जगी है।

मध्य प्रदेश के पूर्व राज्य शतरंज विजेता कमल वर्मा एवं डिस्ट्रिक्ट चेस एसोसिएशन इंदौर के पदाधिकारियों ने इस घटनाक्रम को सत्य की जीत और खिलाड़ियों के अधिकारों की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता बताया है। यह घटनाक्रम प्रदेश के शतरंज समुदाय के लिए नई शुरुआत का अवसर बन सकता है। मध्य प्रदेश के शतरंज मामलों में अब तदर्थ समिति की भूमिका प्रासंगिक नही मध्य प्रदेश शतरंज संघ की मान्यता बहाल होने के बाद प्रदेश के शतरंज जगत में एक महत्वपूर्ण स्थिति स्पष्ट हुई है। मध्य प्रदेश के शतरंज से संबंधित राज्यस्तरीय मामलों के संदर्भ में मध्य प्रदेश शतरंज की तदर्थ समिति (MP Chess Ad-Hoc Committee) को अब प्रासंगिक नही रहा अतः खिलाड़ियों, जिला शतरंज इकाइयों, आयोजकों एवं अन्य संबंधित पक्षों से अनुरोध है कि वे प्रदेश में शतरंज गतिविधियों, राज्यस्तरीय एवं संघ से संबंधित आधिकारिक जानकारी के लिए मध्य प्रदेश शतरंज संघ तथा अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (AICF) की आधिकारिक घोषणाओं को प्राथमिकता दें, ताकि किसी प्रकार का भ्रम या गलतफहमी न हो।

इटली में सीरीज एक फुटबॉल मैच में खेलते हुए रोमा और कोमो के खिलाड़ी। (फोटो-ईएमएस)

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, विमला, पत्नी श्री द्वारकादास अग्रवाल, निवासी 44/1, स्टेशन रोड, बड़वाह, जिला खरगोन, म.प्र. - 451115, अब से अपना नाम परिवर्तित कर विमला अग्रवाल के नाम से जानी एवं पहचानी जाऊँगी। भविष्य में समस्त दस्तावेजों में मेरा नाम विमला अग्रवाल माना जाए।

विमला अग्रवाल पत्नी श्री द्वारकादास अग्रवाल

सदाकत की आक्रामक पारी से पाकिस्तान ने दूसरे टी20 में श्रीलंका को 82 रनों से हराया

रावलपिंडी (ईएमएस)। युवा बल्लेबाज माज सदाकत के 96 रनों की शानदार पारी से पाकिस्तान टीम ने यहां दूसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में 82 रनों से हरा दिया। यह टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पाकिस्तान की श्रीलंका के खिलाफ रनों के मामले में अब तक की सबसे बड़ी जीत दर्ज है। इस ऐतिहासिक जीत के हीरो रहे सदाकत, जिन्होंने 96 रनों की आक्रामक पारी खेलकर अपनी टीम को 215 रनों तक पहुंचाया। जिससे जवाब में श्रीलंकाई टीम केवल 133 रन ही बना पायी।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। फखर जमान 22 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद साहिबजादा फरहान के साथ युवा सदाकत ने मिलकर श्रीलंकाई गेंदबाजों की जमकर पिटाई की। पर 21 वर्षीय माज सदाकत ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया हालांकि वह मात्र 4 रनों से अपना पहला अंतर्राष्ट्रीय शतक नहीं लगा पाये। सदाकत ने मात्र 51 गेंदों का सामना करते हुए 6 चौके और 7 छक्कों की मदद से 96 रन बनाए। दूसरी छोर से कप्तान साहिबजादा फरहान ने भी 73 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं श्रीलंका की गेंदबाजी प्रभावहीन रही। नुवान तुषारा को छोड़कर सभी गेंदबाजों ने 10 से ज्यादा के इकोनॉमी रेट से रन दिये। इसके बाद गेंदबाजी के दौरान पाकिस्तान के गेंदबाजों के सामने लंकाई बल्लेबाज टिक नहीं पाये और 133 पर ही आउट हो गये। मेजबान तेज गेंदबाज मोहम्मद इमरान रंधावा ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लेकर श्रीलंकाई बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया। उनके अलावा सलमान मिर्जा ने भी 2 विकेट लिए। अनुभवी शादाब खान और सैम अयूब ने भी एक-एक सफलता प्राप्त कर टीम की जीत सुनिश्चित की। इस लगातार दूसरी टी20 जीत के साथ पाकिस्तान ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। पहला टी20 मैच भी पाकिस्तान में ही खेला गया था, जिसमें पाकिस्तानी टीम ने 4 विकेट से जीत दर्ज की थी।

:: जाहिर सूचना ::

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार ने श्री जितेश पिता गंगदास पटेल पता- 34-जी, स्कीम नंबर 71, सेक्टर ए, इन्दौर एवं श्रीमती गीता बैन पति हिम्मतभाई पटेल पता-28, श्रीहरि सोसायटी, इन्दौर से उनकी संयुक्त स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि खसरा नंबर 237/1/2 रकबा 0.191 हेक्टेयर एवं खसरा नंबर 238/1 रकबा 0.359 हेक्टेयर ग्राम सिंहासा, रा.नि.म. राऊ-1, तहसील एवं जिला इन्दौर तथा डायाभाई पिता नानजीभाई पटेल पता-28, श्रीहरि सोसायटी, इन्दौर किशोर पिता गंगदास पटेल पता- 34-जी, स्कीम नंबर 71, सेक्टर ए, इन्दौर से उनकी संयुक्त स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि खसरा नंबर 237/2/3 रकबा 0.405 हेक्टेयर ग्राम सिंहासा, रा.नि.म. राऊ -1, तहसील एवं जिला इन्दौर, को सर्वभार मुक्त अवस्था में क्रय करने का अनुबंध उक्त सभी विक्रेतागण से किया होकर आंशिक विक्रय प्रतिफल राशि का भुगतान भी कर दिया है। यदि उक्त संपत्ति में किसी भी व्यक्ति, बैंक, वित्तीय संस्था, कंपनी आदि का कोई हित, भार, बोझ, कर्ज, मेन्टेनेंस, आदि हो तो वह मय संबंधित दस्तावेजों के इस जाहिर सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के अंदर मेरे कार्यालय में मय लिखित प्रमाण के मिले अन्यथा बाद मियाद मेरे पक्षकार उक्त संपत्ति के विक्रय पत्र का पंजीयन अपने हित में करवा लेवेगे, तत्पश्चात् किसी की किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी। सो विदित होवे। दिनांक- 05.10.2026

सौरभ गौड एडवोकेट
पता - 5 / 1, सिख मोहल्ला, इंदौर (म.प्र.)

-:: न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अनुभाग भिचौली हप्सी, जिला इन्दौर ::-

क्र./346/री एस डी. ओ./ 2026, इन्दौर दिनांक 23/09/2026, प्र.क्र. 0041/अपील/2025-26

सूचना पत्र

प्रति, 1. सुन्दरबाई पिता स्व. श्री रघुनाथसिंह जाट पति श्री राधाकिशन जी. पता ग्राम दुधिया तहसील भिचौलीहप्सी जिला इंदौर म.प्र., **2**. स्व. शकुंतलाबाई पिता स्व. श्री रघुनाथसिंह जाट (पति मोहनलाल जाट) मृतक तर्फे वारिसान श्री महेन्द्र कुमार जाट पिता श्री मोहनलाल जाट, निवासी ग्राम गुनावद जिला रत्तलाम म.प्र., **3**. स्व. निर्मलाबाई पिता स्व. रघुनाथ जाट (पति बद्रीलाल) मृतक तर्फे वारिसान- **(ए)** श्री किशोर जाट पिता श्री बद्रीलाल, **(बी)** श्री पवन जाट पिता श्री बद्रीलाल, दोनो निवासी ग्राम मगराना तहसील सारंगपुर जिला राजगढ़ म.प्र. श्री पवन जाट पिता श्री बद्रीलाल, 4. स्व. कलाबाई पिता रघुनाथ सिंह जाट पति काशीराम जाट मृतक तर्फ वारिस विजय पिता काशीराम जाट निवासी अंजड रेवेन्यु एरिया, जिला बड़वानी म.प्र., 5. श्रीमती सुगनाबाई पति स्व. श्री भवानीसिंह जाट, 6 श्री आनंद पिता स्व. श्री भवानीसिंह जाट, 7. श्रीमती चंदाबाई पति श्री राजेन्द्र सिंह जाट, 8. श्री गजेन्द्र पिता श्री राजेन्द्र सिंह जाट, 9 श्री प्रकाश पिता श्री राजेन्द्र सिंह जाट सभी निवासी ग्राम दुधिया तहसील व जिला इन्दौर

विषय- इस न्यायालय में प्रचलित अपीलीय प्रकरण में उपस्थित होने बाबद।

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि अपीलार्थी श्रीमती लीलाबाई पिता स्वः श्री रघुनाथ सिंह जाट (पति बद्रीप्रसाद) निवासी ग्राम दुधिया आवास गली नं 1 बेटमा तहसील देपालपुर जिला इंदौर म.प्र. द्वारा मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 44 (1) अंतर्गत अधीनस्थ न्यायालय तहसीलदार के नामांतरण प्रकरण क्रमांक 0734/अ-6/2024-25 में पारित आदेश दिनांक 26/11/2024 से असंतुष्ट होकर इस आदेश के विरूद्ध अपीलीय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है जो इस न्यायालय में प्रचलित होकर विचाराधीन है। इस प्रचलित प्रकरण में आप प्रत्यर्थी के रूप में है।

अतः आपको आदेशित किया जाता है कि आप प्रकरण में आगामी पेशी दिनांक 19/10/2026 को दोपहर 03:00 बजे प्रशासनिक संकुल, इन्दौर के कक्ष क्रमांक जी-07 में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करे, उपस्थित नहीं होने अथवा पक्ष प्रस्तुत नहीं करने की दशा में आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जायेगी। उक्त सूचना पत्र, मेरे द्वारा आज दिनांक 23/09/2026 को हस्ताक्षरित होकर न्यायालयीन मुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.), अनुभाग भिचौली हप्सी, जिला इन्दौर